श्री मोर्टन लोकेगार्ड ने लोक सभा अध्यक्ष से मुलाकात की।

नई दिल्ली; 2 मार्च, 2023: संसद भवन में श्री मोर्टन लोकेगार्ड, यूरोपीय संसद के सदस्य और भारत से संबंधों के चेयर का स्वागत करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि यूरोपीय संघ भारत का स्वाभाविक साझेदार है। यह सबसे जीवंत लोकतंत्रों, खुले बाजार वाली सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बहुलवादी समाजों के बीच की साझेदारी है।

उन्होंने बताया की भारत यूरोपीय संघ के साथ साझा लोकतान्त्रिक मूल्यों, कानून के शासन और मौलिक स्वतंत्रता पर आधारित अपनी बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को बहुत महत्व देता है। श्री बिरला ने हर्ष वयक्त किया कि भारत प्रभावी बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास, नियम आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर समान दृष्टिकोण रखता है।

यह उल्लेख करते हुए कि भारत विश्व का सबसे बड़ा कार्यशील और सबसे जीवंत लोकतंत्र है, श्री बिरला ने कहा कि हमारी संसद हमारे 140 करोड़ नागरिकों की आस्था और आकांक्षा का केंद्र है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत-यूरोपीय संघ की संसदीय लोकतंत्र में साझी आस्था है, इसलिए हमें भविष्य में परस्पर संसदीय आदान-प्रदान को और बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि व्यापार और निवेश के लिए बातचीत फिर से शुरू करने का हमारा निर्णय पूरे विश्व के लिए शुभ संकेत है।

श्री बिरला ने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में यूरोपीय संघ द्वारा सहयोग किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारे देश के भारत - प्रशांत संबंधी इस समावेशी दृष्टिकोण को और मजबूती प्रदान करता है कि इस क्षेत्र के तहत इस भूभाग में आने वाले सभी देशों के अतिरिक्त वे सभी देश भी शामिल हैं जिनका इस क्षेत्र से कोई हित जुड़ा हुआ नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारत का मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में "स्ट्रेटिजिक ईयू" के माध्यम से इस क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

श्री बिरला ने श्री मोर्टन लोकेगार्ड को बताया कि भारतीय संसद यूरोपीय संघ के संसदीय दल का भारत में स्वागत करने के लिए इच्छुक है।